डॉ. इयाह्ईया आलहूदा

सहायक प्रोफेसर, भू-विज्ञान विभाग

यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय

गुड़िया मिन्नी

एक छोटी सी लड़की, जिसका नाम सिया था, अपनी प्यारी गुड़िया 'मिन्नी' को लेकर बहुत परेशान थी। मिन्नी का हाथ टूट गया था और सिया उसे बिना हाथ के देखकर रो रही थी। उसकी माँ ने उसे एक स्थानीय दुकान में ले जाने का सुझाव दिया, जहाँ एक बुढ़ा आदमी गुड़ियाँ ठीक करता था।

सिया और उसकी माँ दुकान पर पहुँचे और बुढ़े आदमी को मिन्नी दिखाई। वह आदमी गुड़िया को देखकर मुस्कुराया और कहा, 'चिंता मत करो, मैं इसे ठीक कर दूँगा।'

सिया अपनी गुड़िया को उस आदमी को सौंपकर एक कोने में बैठ गई, मिन्नी के लिए चिंता करते हुए। कुछ देर बाद, आदमी ने मिन्नी को एक नया हाथ लगाकर वापस सिया को दिया। मिन्नी अब बिल्कुल ठीक लग रही थी!

सिया अपनी गुड़िया को देखकर खुश हो गई और आदमी को धन्यवाद देने के लिए उसके पास गई। उसने आदमी के हाथ पकड़ें और अपनी प्यारी गुड़िया की ओर इशारा करते हुए कहा, 'आपने मेरी मिन्नी को ठीक कर दिया! आप जादूगर हैं!'

आदमी ने सिया के शब्दों को सुना और मुस्कुरा दिया। उसने सिया के सिर पर हाथ रखा और कहा, 'जादूगर नहीं, बेटा। बस प्यार और मेहनत।'

सिया ने आदमी की बातों को गौर से सुना और पूछा, ' आप मेरी मिन्नी को प्यार करते हैं?'

आदमी ने धीरे से जवाब दिया, 'हाँ, बेटा, मुझे सभी गुड़ियाँ प्यारी हैं।'' प्यार और मेहनत ही हर चीज़ को ठीक कर सकते हैं।'

सिया खुशी से उछल पड़ी । फिर सिया और उसकी माँ उस दिन दुकान से खुश होकर निकले। सिया ने अपनी गुड़िया को गले लगाया और अपने दिल में आदमी के शब्दों को संजो कर रखा। उसने सीखा था कि प्यार और मेहनत किसी भी चीज़ को ठीक कर सकते हैं ।